साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 277 | जौनपुर, गुरूवार, 04 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पूरे प्रदेश में चार दिन होगी जोरदार बरसात

लखनऊ, संवाददाता। मानसून अब प्रदेश भर में छा गया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले चार से पांच दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी उत्तरप्रदेश में गरज चमक के साथ मध्यम से भारी और कहीं तेज बारिश के आसार हैं। बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बादल जमकर बरसे। इससे मौसम खुशनुमा रहा और गर्मी बेहाल लोगों को राहत मिली। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में पूरे दिन रुक-रुक कर हुई बारिश से तापमान गिरावट दर्ज की गई। बस्ती में न्यूनतम तापमान गिरकर 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बरेली में न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस और बुलंदशहर में 24 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान झांसी में 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों में बस्ती जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 237.6 मिली बारिश दर्ज की गई। बाराबंकी के फतेहपुर में 200 मिमी तो बिजनौर के नगीना में 164 मिमी. बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्रशांत महासागर में अलनीनों की परिस्थितियां समाप्त हो चुकी हैं। इसलिए प्रदेश में जुलाई में अच्छी बारिश की उम्मीद है।

केजरीवाल की कोर्ट ने 12 जुलाई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ा दी। केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में पेश हुए। अदालत ने 22 अप्रैल को अदालत के आदेश के तहत एम्स द्वारा गठित विशेष बोर्ड के साथ किए जा रहे चिकित्सा परामर्श के दौरान अपनी पत्नी की उपस्थिति की मांग करने वाली केजरीवाल की अर्जी पर भी अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अदालत 6 जुलाई को अपना आदेश सुनाएगी। शनिवार को शहर की अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जिसने 26 जून को आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक को गिरफ्तार किया था। इससे पहले दिन में, केजरीवाल ने उनके खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। केजरीवाल के वकील रजत भारद्वाज ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष जमानत याचिका का उल्लेख किया।आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक की याचिका को सूचीबद्ध करने का आग्रह किया।

हाथरस घटना में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी – मंत्री जयवीर सिंह

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हाथरस में धार्मिक समागम में मची भगदड़ को लेकर योगी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि यह घटना बेहद दुखद है। घटना पर आला–अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। घटना का खुद मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट

सामने आने के बाद घटना की पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। हमने व्यवस्था बनाने की पूरी कोशिश की है, चाहे वह अस्पताल की हो या एंबुलेंस की। जो भी दोषी होगा, वह चाहे बाबा हो या कोई भी हो, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के सरकारी अस्पताल में भगदड़ की घटना में घायलों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने मंत्रियों और सांसद से पूरी जानकारी ली। वहीं बुधवार को राज्यसभा में हाथरस भगदड़ दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त करने के लिए मौन रखा गया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाथरस का मुद्दा उठाते हुए कानून बनाने की मांग करते हुए गृह मंत्री के बयान की मांग की है। कांग्रेस सांसद के सुरेश ने कहा है कि यह उत्तर प्रदेश शासन–प्रशासन और सरकार की विफलता है। मैं मुआवजे की राशि 2 लाख से बढ़ाकर 25 लाख करने का अनुरोध करता हूं। दरअसल हाथरस जनपद के थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव रतीभानपुर में आयोजित भोले बाबा के सत्संग में मंगलवार को अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ में अब तक 121 लोगों ने अपनी जान गंवा दी है और वहीं 28 लोग घायल हैं।

हमारे गवर्नेंस मॉडल में एफिशिएंसी बहुत अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार दोपहर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। इससे पहले राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समय की मांग है कि 21वीं सदी को यदि भारत की सदी बनाना है, तो हमारे गवर्नेंस के मॉडल में एफिशिएंसी बहुत अनिवार्य है। जब इस प्रकार से काम होते हैं, तो पारदर्शिता आती है। शकिंतु परंतुश नहीं रहते हैं और सामान्य लोगों के हकों की रक्षा होती है। नागरिक इज ऑफ लिविंग का एहसास कर पाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरा एक कनविक्शन है, मैं मानता हूं कि आज समय की मांग है कि हमारे नागरिकों के जीवन से सरकार की दखल जितनी कम हो, उस दिशा में हमें प्रयास करना चाहिए। हां, जिनको सरकार की जरूरत है, जिनके जीवन में सरकार की उपयोगिता व आवश्यकता है, उनके जीवन में सरकार का अभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन, जो अपने बलबूते पर जीवन में आगे बढ़ना

चाहते हैं, सरकार का प्रभाव उन्हें रोकने का प्रयास न करे। इसलिए सरकार का दखल जितना कम हो, ऐसी व्यवस्थाओं को विकसित करने के लिए मैं राज्यों से आग्रह करता हूं कि वह आगे आएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदी भारत की सदी है, भूतकाल हमें कहता है कि अवसर तो पहले भी आए थे, लेकिन हम अपने ही कर्म से अपने अवसर को खो चुके थे। अब हमें अवसरों को खोने की गलती नहीं करनी है। हमें अवसरों को ढूंढना है। जो देश हमारे साथ आजाद हुए, वे बहुत तेजी से आगे निकल गए, हम नहीं पहुंच पाए। हमें इस स्थिति को बदलना है। जिन–जिन बातों को हमारे माननीय सदस्यों ने उठाया था, उन सब का संकलित रूप में जानकारी देने का मैंने प्रयास किया है। आदरणीय राष्ट्रपति महोदया ने जो अभिभाषण दिया, हमारे लिए दिशानिर्देश दिए। जिसने सामान्य लोगों में विश्वास पैदा किया, इसके लिए मैं अपनी ओर से और इस सदन की ओर से भी राष्ट्रपति का बहुत–बहुत आभार जताता हूं। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रस्ताव को पारित करने के लिए सदन के समक्ष रखा। राज्यसभा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से अपनी सहमति दी। सभापति ने कहा कि लगातार तीसरी बार चुने जाने के बाद पीएम मोदी ने राज्यसभा के 264वें सत्र में अपने मंत्रिमंडल का परिचय कराया।

झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करना प्रधानमंत्री की आदत - खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान विपक्षी दल राज्यसभा से बहिर्गमन कर गए क्योंकि वह झूठ बोल रहे थे। उन्होंने मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करना प्रधानमंत्री की आदत है। उन्होंने कहा कि हमने वॉकआउट किया क्योंकि पीएम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन को संबोधित कर रहे थे और उन्होंने सदन को कुछ गलत बातें बताईं। झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें कहना उसकी आदत है। मैंने अभी उनसे पूछा है कि जब वे संविधान की बात कर रहे थे तो संविधान आपने नहीं बनाया था, आप लोग उसके विरोध में थे। मैं सिर्फ यह स्पष्ट कर रहा था कि कौन लोग संविधान के पक्ष में और कौन विरोधी थे। खड़गे ने आगे कहा कि उन्होंने (आरएसएस) संविधान का विरोध

किया है। उन्होंने बीआर अंबेडकर और पंडित नेहरू का पुतला जलाया। वह बार–बार कहते हैं कि हमने बीआर अंबेडकर का अपमान किया, उन्होंने वहां (लोकसभा में) यह कहा और वह आज भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहता था कि बाबा साहब के पास क्या है संविधान सभा में क्या कहा और आरएसएस ने ऑर्गेनाइजर में क्या लिखा है। एनसीपी–एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह (मल्लिकार्जुन खड़गे) संवैधा निक पद पर हैं। चाहे प्रधानमंत्री हों या सदन के सभापति, उनका सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन आज यह सब नजरअंदाज कर दिया गया और इसलिए पूरा विपक्ष उनके साथ है, और इसलिए हम बाहर चले गए। जब प्रधानमंत्री गलत तथ्य पेश कर रहे थे, गलत जानकारी दे रहे थे तो विपक्ष के नेता कुछ सही तथ्य पेश करने के लिए, सच्ची जानकारी देने के लिए खड़े होते हैं। विपक्ष के नेता ने तथ्यों, आंकड़ों और किताबों के साथ बार–बार कोशिश की, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। इसलिए जब सदन में सच सामने नहीं आने दिया जा रहा था और झूठ बोला जा रहा था तो विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में पूरा विपक्ष वॉकआउट कर गया।

हाथरस में जो हुआ वह दर्दनाक, सरकार और प्रशासन की लापरवाही से हुआ – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाथरस में हुए हादसे को बहुत दर्दनाक व दुखद बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की पूरी लापरवाही है। सरकार और प्रशासन को पता है कि जब कभी इस तरह के कार्यक्रम होते हैं, बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सरकार के पास जानकारी थी, इसके बावजूद जरूरी इंतजाम नहीं किए गए। जो जानें गई हैं, उसकी जिम्मेदार सरकार है। अखिलेश ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जानें बच सकती थी लेकिन सरकार एंबुलेंस और गाड़ियों की व्यवस्था नहीं कर पाई। जो घायल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिला। न दवाएं मिलीं और न ही ऑक्सीजन। लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं था। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दुनिया में विश्व

गुरु बन जाने की बात करती है पर सच्चाई यह है कि सरकार आपातस्थिति में लोगों को ठीक से इलाज नहीं दे सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह कैसी अर्थव्यवस्था है कि जहां न अस्पताल है और न ही इलाज व दवाई की सुविधा। उन्होंने कहा कि हाथरस सत्संग में अगर अनुमति 50 हजार लोगों के पहुंचने की थी। अगर इससे ज्यादा लोग आए तो प्रशासन क्या कर रहा था। लोगों को रोका क्यों नहीं। प्रशासन ने फोर्स और बैरिकेडिंग क्यों नहीं

राहुल गांधी अपने भाषण को सत्यापित करें या माफी मांगें – किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ससंद सत्र के दौरान विपक्ष खासकर कांग्रेस के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने सदन नहीं चलने देने की नई परंपरा शुरू की है और इस परंपरा को चलने नहीं दिया जा सकता है। आखिर किसी को जबरदस्ती सदन की कार्यवाही को कैसे रोकने दिया जा सकता है। बुधवार को राज्यसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि पहले जब नए सांसद चुनकर सदन में आते थे, उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुलायम सिंह यादव और प्रणब मुखर्जी जैसे वरिष्ठ नेताओं के भाषण और वाद–विवाद से काफी कुछ सीखने को मिलता था। लेकिन, कांग्रेस तो अब संसद शुरू होने से पहले ही नए सांसदों को हंगामा करना सिखा रही है। राहुल गांधी पर सदन में झूठ बोलने और गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि नियम–115 के तहत शिकायत की गई है। इसके तहत या तो राहुल गांधी को अपनी बात को सत्यापित करना पड़ेगा या फिर माफी मांगनी होगी और अगर ये ऐसा नहीं करते हैं तो स्पीकर मामले को विशेषाधिकार कमेटी को भेज सकते हैं। इस पर अंतिम फैसला लोकसभा स्पीकर को ही करना है। हम कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नियम और प्रक्रियाओं से सदन भी चलाएगी और सरकार भी चलाएगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए जा रहे जवाब के दौरान विपक्षी दलों के हंगामे और वॉकआउट की आलोचना करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आज जब प्रधानमंत्री राज्यसभा में जवाब दे रहे थे तो उस समय भी विपक्ष ने कुछ देर बाद हंगामा करना शुरू कर दिया, 15–20 मिनट हंगामा किया और फिर वॉकआउट करके बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सदन के नियमों की अवहेलना की है और संविधान का मजाक उड़ाया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि कल लोकसभा में भी जैसे ही प्रधानमंत्री ने बोलना शुरू किया, कांग्रेस और उसके साथियों ने वहां जबरदस्त हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने पीएम के पूरे भाषण के दौरान डिस्टर्ब किया, पूरे भाषण के दौरान हो–हल्ला करते रहे और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। कांग्रेस को सोचना होगा कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा का ध्यान

रखना हम सबकी खासतौर से सांसदों की जिम्मेदारी होती है क्योंकि हम सबने शपथ ली है और नियमों से बंधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सदन की शुरुआत के साथ ही एक प्रोटेम स्पीकर और 5 वरिष्ठ सांसदों के चयन में सरकार ने विपक्ष का भी ध्यान रखा। तीन एनडीए से तय किए गए और तीन विपक्षी दलों की तरफ से, लेकिन विपक्ष के लोगों ने सहयोग नहीं किया, जबकि यह व्यवस्था शपथ ग्रहण के लिए की गई थी। सरकार ने बार–बार अपील की। लेकिन, उसके बावजूद विपक्षी दलों का जो रवैया रहा, वे उसका खंडन करते हैं। कोई आदमी देश और संविधान से बड़ा नहीं है। असदुद्दीन ओवैसी द्वारा लोकसभा में संसद सदस्यता की शपथ लेने के बाद लगाए गए श्जय फिलिस्तीनश के नारे पर कार्रवाई के लिए पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा स्पीकर ने कमेटी बना दी है, जो नियमों को तय करेगी ताकि भविष्य में फिर से ऐसा न हो। विपक्ष से बात करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस सत्र से पहले भी वो विपक्षी नेताओं से मिले थे और अगला बजट सत्र शुरू होने से पहले भी राहुल गांधी समेत सभी दलों के फ्लोर लीडर्स से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी विशेष परिवार से आए हैं, इस वजह से उन्हें कोई प्रिविलेज नहीं दिया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब के दौरान नीट और मणिपुर सहित हर मुद्दे पर समग्रता से जवाब दिया। राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के रवैये पर सवाल खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मंशा पीएम मोदी के भाषण को रोकना था, जो ठीक नहीं था इसलिए चेयरमैन ने सही किया। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्षी दलों की एकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकसभा में कल कांग्रेस और कुछ अन्य दल वेल में थे, लेकिन सपा और टीएमसी के सांसद वेल में नहीं थे और ऐसे दृश्य आगे भी देखने को मिलेंगे।

हाथरस घटना की होगी न्यायिक जांच, दोषियो को बख्शा नहीं जायेगा - योगी

हाथरस, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक धार्मिक मण्डली में भगदड़ के बाद 121 लोगों की जान लेने के बाद बुधवार को हाथरस का दौरा किया। इससे पहले, राज्य सरकार ने त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों को 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की थी। हाथरस में यूपी के सीएम आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इससे पहले योगी ने अस्पताल में घायलों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता बचाव और ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित करने की थी। कुल 121 श्रद्धालुओं की जान जा चुकी है। वे यूपी, हरियाणा, एमपी और राजस्थान से थे। 121

मृतकों में से 6 अन्य राज्यों के थे। 31 घायलों का इलाज चल रहा है और लगभग सभी लोग खतरे से बाहर हैं। योगी ने बताया कि मेरी कई चश्मदीदों से बातचीत हुई और उन्होंने मुझे बताया कि यह घटना कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुई जब सत्संग के प्रचारक मंच से नीचे आ रहे थे, अचानक कई महिलाएं उन्हें छूने के लिए उनकी ओर बढ़ने लगीं और तभी सेवादार उन्हें रोका, जिसके कारण यह हादसा हुआ। प्रशासन को सेवादारों ने अंदर नहीं घुसने दिया। उन्होंने कहा कि हमने एडीजी आगरा के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया है। इसने एक प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। उन्हें इसकी गहराई से जांच करने को कहा गया है। ऐसे कई पहलू हैं जिनकी जांच की जरूरत है। राज्य सरकार ने न्यायिक जांच कराने का भी निर्णय लिया है, जिसका नेतृत्व उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे।

नीतीश कुमार ने चयनित 9,888 अभ्यर्थियों को बांटे नियोजन पत्र

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहत चयनित 9,888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भूमि सर्वेक्षण के कार्य जल्दी पूरे हों, जिससे जमीन संबंधी विवाद को जल्द समाप्त किया जा सके। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहत जिन चयनित अभ्यर्थियों को नियोजन पत्र दिए गए हैं, उनमें 353 विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 758 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 742 विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं 8,035 विशेष सर्वेक्षण अमीन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 20 तथा राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल

ने 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान कुल 75 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। शेष अभ्यर्थियों को सभी जिलों में प्रभारी मंत्रियों ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि आज 9,888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं।

संपादकीय

शिक्षा का कोई महत्व

शिक्षा का मतलब कभी–भी किसी खाली पात्र में जल भरने तक ही सीमित नहीं रहा है। महान अर्थशास्त्री तथा नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन एवं अभिजीत बनर्जी भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि किसी भी अन्य की तुलना में शिक्षा एकमात्र ऐसा साधन है, जो जीवन के अवसरों में वृद्धि करने का सबसे कारगर जरिया है। हमारे पुराणों में भी कहा गया है सा विद्या या विमुक्तये! अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्त करे। पहले के समय में जब गुरुकुल शिक्षा हुआ करती थी, तब इस वाक्य का एक–एक शब्द अपनी बात पर खरा उतरता था। इसके मायने 90–2000 के दशक तक भी सटीक ही थे। लेकिन, बीते कुछ वर्षों में हमारे देश में शिक्षा का स्तर काफी नीचे गिर गया है। न तो शिक्षा प्रदान करने वाला इस गर्त में गिरने से खुद को रोक पाया है और न ही शिक्षा अर्जित करने वाला। शिक्षक बेशक बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन मेरे मायने में उस शिक्षा का कोई महत्व नहीं, जो सिर्फ सिलेबस पूरा करने तक ही सीमित हो। शिक्षक जो पढ़ा रहा है, बच्चे उसे समझ पा भी रहे हैं या नहीं, यह गंभीर मुद्दा कक्षा में लगे बोर्ड के पीछे ही कहीं छिप जाता है। शायद वह भी शिक्षक की डाँट या मार से डरता हो। कभी–कभी तो यह लगता है कि सत्र के भीतर सिलेबस को पूरा करना ही शिक्षकों का प्राथमिक कर्तव्य है, बच्चों के जहन में इसके अध्याय और उनसे मिलने वाली सीख बैठी या नहीं, इससे उन्हें शायद फर्क पड़ता ही नहीं। एक तथ्य यह भी है कि एक कक्षा में बच्चों की 50 से लेकर 70 तक की संख्या को दाखिल कर लिया जाता है, स्थिति अनुसार यह संख्या घट–बढ़ सकती है। अब यदि एक–एक बच्चे पर ध्यान देंगे, तो फिर वही बात, सिलेबस कब पूरा होगा? कमजोर बच्चे डर के मारे शिक्षकों से कुछ पूछ ही नहीं पाते और परिणाम के रूप में स्कूलों की यह भीड़ कोचिंग संस्थानों में बढ़ती चली जाती है। हालात ये हैं कि अब तो कोचिंग संस्थान भी स्कूल जैसे ही प्रतीत होने लगे हैं। इससे एक स्तर और आगे बढ़ते हुए इन संस्थानों में 100–100 बच्चों की बैच को एक साथ पढ़ाया जाता है। एक तरफ कुआँ और एक तरफ खाई के बीच डोलता हुआ बच्चा आखिर जाए, तो जाए कहाँ? शिक्षा के मायने तब ही पूरे हो सकते हैं, जब कोई विषय विशेष जिस भाव और अर्थ के साथ पढ़ाया जाए, वह उसी भाव और अर्थ के साथ समझा और सीखा भी जाए। शिक्षा स्वतः तो है नहीं, जो सिर्फ पढ़ा देने भर मात्र से बच्चों को समझ आ जाए। यहाँ बड़ा प्रश्न उठता है कि इस कमी का आकलन किसका हो? बच्चे का, शिक्षक का या फिर पूरी की पूरी शिक्षा प्रणाली का? भारत देश में प्रारंभिक शिक्षा को संविधान के तहत मूलभूत अधिकार (शिक्षा का अधिकार, 2009) घोषित किया गया है, यानि सभी 6 से लेकर 14 वर्ष के बच्चों को बिना किसी भेदभाव के अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) और एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) यह स्पष्ट करते हैं कि बच्चे अपनी उम्र और कक्षा के अनुसार सीख ही नहीं पाते हैं। प्राथमिक स्कूलों में 10 करोड़ से भी अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। बेहद चौंकाने वाले आँकड़ें उपरोक्त रिपोर्ट से सामने आए हैं कि इनमें से लगभग 55 फीसद बच्चे दस साल की उम्र में अपनी भाषा के अक्षर, शब्द या वाक्य ठीक से पढ़ भी नहीं पाते, लिखना तो बहुत दूर की बात है। वर्ल्ड बैंक में इसे लर्निंग पॉवर्टी कहा जाता है और यह बेहद दुर्भाग्य की बात है कि हमारा देश भी इसी श्रेणी में आता है। मैं फिर वही सवाल करता हूँ कि इसका जिम्मेदार कौन है, बच्चे, शिक्षक या शिक्षा प्रणाली? फिर एक सवाल यह भी है कि क्या सभी बच्चे समान रूप से सीख पा रहे हैं? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, तीसरी कक्षा की पढ़ाई पूरी होने तक सभी बच्चों को पढ़ने, लिखने और सामान्य गणित के कौशल आ जाने चाहिए। एक तथ्य यह भी है कि इंसान के मस्तिष्क का 85–90: विकास इसी उम्र (0–5) में होता है। और इस उम्र में जिन बच्चों को उचित शिक्षा नहीं मिलती, उनकी बुनियाद पूरे जीवन ही कमजोर बनी रहती है। इस उम्र में, उन्हें जो भी सिखाया जाता है, उन्हें कंठस्थ हो जाता है। हमारे देश की शिक्षा प्रणाली बच्चों को शिक्षा के अवसर दे तो रही है, लेकिन 50 फीसद से भी अधिक बच्चों को कॉन्सेप्ट्स ही क्लियर नहीं हैं। ऐसे में, शिक्षकों को चाहिए कि वे एक–एक बच्चे का आकलन करें और उन कमियों को दूर करें, जो लगातार उनमें दिखाई दे रही है। बच्चों के उन कठिन बिंदुओं पर ध्यान दें, जो उन्हें समझ नहीं आते। अपने पढ़ाने के तरीके में बदलाव लाएँ। डाँटने–मारने से बचें, बच्चों से घुल–मिलकर रहें, ताकि कोई भी बिंदु समझ न आने पर वे बिना किसी डर या झिझक से खुलकर आपसे पूछ सकें। शासन को भी चाहिए कि ऐसे सिलेबस बनाएँ, जो बच्चों को आसानी से समझ आ सकें और उसे पढ़ने में उनकी रूचि बनी रहे, न कि उसे देख उनका मन पढ़ाई से ही कतराने लगे। भारत की शिक्षा प्रणाली विराट, विस्तृत और विविध है। बतौर उदाहरण बात करें, तो बिहार की सरकारी प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत 63 हजार स्कूल आते हैं, जिनमें लगभग 1 करोड़ बच्चे और 2.5 लाख शिक्षक शामिल हैं। गौर करने वाली बात है कि यह संख्या कई पश्चिमी देशों की जनसंख्या से भी अधिक है। यह सिर्फ एक राज्य की बात है, पूरे देश की बात करेंगे, तो आँकड़ें खुद ही आपस में उलझ जाएँगे। क्या इतनी व्यापक शिक्षा प्रणाली में सुधार लाना वास्तव में उतना सरल है, जितना प्रतीत होता है? दो से तीन दशकों के प्रयासों का परिणाम है कि अधिकांश बच्चों का स्कूलों में नामांकन है।

अपमान संयोग, प्रयोग अथवा सुनियोजित साजिश

विनोद

भारत में लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन में राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्ष में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सभी मर्यादाओं को तार तार करते हुए सदन में हिंदू देवी देवताओं की तस्वीर के साथ संपूर्ण हिंदू समाज को हिंसक कहा गया, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में अपने भाषण के दौरान हिंदुओं का अपमान किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में राहुल ने सोमवार को कहा कि ''खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने'' में लगे हैं। ''संसद में कल राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक, असत्यवादी और नफरतवादी की संज्ञा दी है। वह न केवल झूठ बोल रहे हैं बल्कि 125 करोड़ हिंदुओं को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। कल संसद में उनकी भाषा आपने देखी होगी कि किस तरह उन्होंने बार–बार हिंदुओं का अपमान करने वाली बातें कही।'' यह संयोग है सुनियोजित साजिश है या प्रयोग यह संपूर्ण हिंदू समाज को एक क्लियर मैसेज है और इस बाबत हिंदू समाज, संगठनों को चिंतन मनन करने की आवश्यकता है। लोकसभा में मंगलवार को भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई. इस दौरान संसद के निचले सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान अपनी बात रखी. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. अपने भाषण के दौरान मोदी ने कहा कि यह लगातार तीसरी बार है जब कांग्रेस पार्टी 100 का आंकड़ा नहीं पार कर सकी है. उन्होंने राहुल गांधी के हिंदु वाले बयान को लेकर भी पलटवार किया और सवाल पूछा कि इस देश के हिंदुओं के साथ ये है आपका व्यव्हार? पीएम मोदी विपक्ष ने संसद में निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों का झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेकबुद्धि पर आशंका व्यक्त करता है. इनका झूठ देश के सामान्य विवेद बुद्धि पर एक तमाचा मारने की निर्लज हरकत है. ये हरकतें देश की महान परंपराओं पर तमाचा है। सदन में शुरू हुई झूठ की परंपरा पर कठोर कार्रवाई करेंगे, ये देशवासियों की भी और इस सदन की भी अपेक्षा है। कांग्रेस ने संविध ान और आरक्षण पर भी हमेशा झूठ बोला है। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल के बयान के बारे में कहा ''राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहला भाषण ही झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों को लेकर था। लोकसभा में राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा होनी थी जिस पर राहुल गांधी एक शब्द भी नहीं बोले। उन्होंने सदन में केवल झूठ बोला।'' ''राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल हिंदुओं का घोर अपमान किया बल्कि हिंदू समाज को हिंसक, नफरती और झूठा बताया।'', ''तुष्टीकरण की नीति अपनाकर, वोटों का ध्रुवीकरण करना, कांग्रेस की आदत रही है और वे एक दूसरे में वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। कांग्रेस नेता सदैव हिंदू समाज के खिलाफ बोलते रहे हैं। ''हिंदुओं को हिंसक और अवसरवादी बताना, संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और इस पर राजनीति करना, नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता। ''मैं राहुल गांधी को कहना चाहता हूं कि आपको विचार करना पड़ेगा, सोचना पड़ेगा और पढ़ना पड़ेगा कि हिंदू कौन हैं ?वसुधैव कुटुंबकम की भावना रखने वाला३ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की कामना करने वाला, हिंदू है। ३धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, इस मंत्र को जीने वाला हिंदू है। प्राणी मात्र में हिंदू का वास देखने वाला हिंदू है। चारसौ मधुमक्खियां' लोकप्रिय बोलचाल में जीवित रहेंगी ''सोची समझी रणनीति के तहत हिंदू संस्कृ ति, परंपरा को गाली दी जा रही है, हिंदुओं का मजाक उड़ाया जा रहा है, मजाक उड़ाने को फैशन बनाया जा रहा है और अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस तरह के काम हो रहे हैं। देश का बच्चा–बच्चा जानता है कि ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है। ईश्वर का रूप निजी स्वार्थ के लिए और प्रदर्शन के लिए नहीं होता। यह प्रदर्शन हमारे देश के लोगों को गहरी चोट पहुंचा रहा है।श्श प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह से जब हिंदुओं को अपमानित किया जा रहा है, उन्हें हिंसा फैलाने वाला बताया जा रहा है तो अब हिंदू समाज को भी सोचना पड़ेगा कि उसका इस तरह से मजाक क्यों उडाया जा रहा है। क्या राजनेताओं के लिए धर्म और ईश्वर मात्र राजनैतिक स्वार्थ सिद्ध करने का माध्यम बनते जा रहे हैं? क्यों केवल हिंदू धर्म ही सोची समझी रणनीति और साजिश के तहत निशाने पर हैं? क्योंकि हिंदू यहां जात पात, मत संप्रदाय इत्यादि में विभक्त है। यहां विडंबना देखिए यदि यह अपमान किसी एक जाति धर्म या संप्रदाय का होता तो अभि तक सड़कें जाम हो चुकी होती ज्ञापनों का सिलसिला चल पड़ा होता लेकिन चूंकि हिंदू समाज अपने अपने जात पात मत संप्रदाय इत्यादि में विभक्त है अतः इसी बात का फायदा उठाकर ये राजनेता और राजनैतिक दल अपनी अपनी रोटियां सेक लेते हैं जब तक हिंदू समाज अपनी कुंभकर्णी नींद को त्याग अपने सभी राग द्वेष जात पात मत संप्रदाय भावना को किनारे कर संगठित नहीं होगा वह दिन दूर नहीं जिस प्रकार अन्य देशों से हिंदू धर्म विलुप्त हो गया वैसे भारत में भी हिंदू धर्म समाज भी सोची समझी साजिश के तहत हाशिए पर धकेला जा रहा है। आज समय आ गया हिन्दुओं को अपने वजूद अपने धर्म अपनी संस्कृति अपने देवी देवताओं के अपमान अनादर करने वालों को मुंह तोड़ जवाब दिया जाना आवश्यक हो गया है।

मोदी का तीसरा कार्यकाल और उनकी खामियां

ललित

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल, इस बार गठबंध ान सरकार के मुखिया के रूप में, अच्छे नोट पर शुरू नहीं हुआ है। बुरी खबरों की भरमार है। एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक होने से हंगामा मचा हुआ है, जो जल्द ही थमने वाला नहीं है। फिर एक ट्रेन दुर्घटना की खबर आई, जिसमें सुरक्षा प्रक्रियाएं विफल रहीं। तीन हवाई अड्डों की छतें ढह गईं। मोदी के 2024 के चुनाव अभियान का केंद्र बिंदु अयोध या में सड़कें ढह गईं, रेलवे स्टेशन के अंदर जलभराव हो गया और निर्माणाधीन राम मंदिर में रिसाव और खराब जल निकासी की शिकायतें सामने आईं। चुनाव परिणामों के बाद, जिसने एक राजनीतिक नेता के रूप में उनकी छवि को धूमिल और ध ूमिल कर दिया है, मोदी को प्रध ानमंत्री के रूप में अपने नए कार्यकाल में बेहतर खबरों की उम्मीद होगी। हालाँकि, वे अभी भी भाग्यशाली हैं। कल्पना कीजिए, अगर चुनाव प्रचार के दौरान बुरी खबरों का यह गुलदस्ता वायरल हो जाता। ऐसा नहीं है कि मोदी ने चुनावों के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर कार्रवाई की हो, जिसने चुनाव में उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया हो। भारतीय सेना में सैनिकों की भर्ती के लिए अल्पकालिक संविदा योजना अग्निपथ एक ऐसा मुद्दा था जिसने ग्रामीण भारत के कई मतदाताओं को आंदोलित किया। चूंकि मोदी के शासन में भारत में युवा बेरोजगारी उच्च स्तर पर बनी हुई है, इसलिए किसी भी स्थायी नौकरी के अवसर का नुकसान युवा उम्मीदवारों को और भी अधिक पीड़ा देता है।

ले किन अग्निपथ केवल उन मतदाताओं के बारे में नहीं है जो मोदी के खिलाफ हो गए, या बेरोजगारी का भूत, या मोदी सरकार की नौकरियां पैदा करने में असमर्थता। यह एक देश के रूप में भारत के बारे में है क्योंकि यह चार साल की संविदा योजना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती है, वह भी ऐसे समय में जब इसे अपनी सीमाओं पर एक शक्तिशाली चीन से एक बड़ी सैन्य चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपने अभी तक प्रकाशित न हुए संस्मरण में, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे ने बताया है कि उन्होंने सीमित संख्या में सैनिकों की भर्ती के लिए "टूर ऑफ ड्यूटी" योजना का विचार रखा था – हर साल 60,000 सेना भर्तियों में से लगभग 5,000 – अल्पकालिक सेवा अधिकारियों की तर्ज पर पाँच साल के लिए। नियमित सैनिकों की तरह ही भर्ती किए गए सैनिकों को ध्अपने दौरे के पूरा होने के बाद रिहा कर दिया जाएगा, अगर वे फिट पाए जाते हैं तो दूसरे दौरे के लिए फिर से भर्ती होने का विकल्प होगा।ष नरवणे के प्रस्ताव का उद्देश्य कुछ धन बचाना था जिसका उपयोग सेना के बहुत जरूरी आधुनिकीकरण के लिए किया जा सकता था। एक अध्ययन में पाया गया कि 60,000 अग्निवीरों के एक बैच के लिए, वेतन पर कुल बचत 1,054 करोड़ रुपये होगी, साथ ही मध्यम से लंबी अवधि में पेंशन बिल में भारी कटौती होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस विचार को अपनाया और इसके दायरे और प्रयोज्यता को बढ़ाया। इसने कहा कि पूरा प्रवेश शॉर्ट–सर्विस आधारित होगा और यह तीनों सेवाओं पर भी लागू होगा। जनरल बिपिन रावत, जो उस समय चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ थे, फिर इसमें शामिल हुए। भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के लिए, यह पूरी बात आसमान से बिजली की तरह आई। नरवणे के तहत, सेना ने 75: भर्तियों को बनाए रखने के लिए कहा था, जबकि रावत ने 50: बनाए रखने की मांग की थी। आखिरकार, मोदी के पीएमओ ने इसे घटाकर 25: कर दिया, जिससे सशस्त्र बलों को बहुत निराशा हुई। राजनीतिक नेतृत्व ने कभी भी इस योजना की जिम्मेदारी नहीं ली, बल्कि जून 2022 में जब इसे लॉन्च किया गया, तो सैन्य नेतृत्व को प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए मजबूर किया।

स्पीकर की भूमिका पर पुनर्विचार करें

आदित्य

पिछले साल असम विधानसभा को संबोधित करते हुए, हाल ही में दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा "लोकतंत्र बहस और संवाद

पर आधारित है। लेकिन सदन में बहस में लगातार व्यवधान और शिष्टाचार की कमी चिंता का विषय है। हालांकि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच असहमति होना स्वाभाविक है, लेकिन असहमति के कारण गतिरोध पैदा नहीं होना चाहिए।" इस मुद्दे को उठाने के बाद, उन्हें हमारी व्यवस्था में अध्यक्षों की भूमिका और अपनी भूमिका पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए था। विधानसभाओं और संसदों को स्वशासित होना चाहिए, लेकिन उन्हें अभी भी शासन की सख्त जरूरत है। भारत और अन्य जगहों पर, ये निर्वाचित संस्थाएँ सरकार की अन्य शाखाओं के खिलाफ अपनी स्वतंत्रता की रक्षा उत्साहपूर्वक करती हैं। हालाँकि, चूँकि अध्यक्ष भी सदन का सीधे निर्वाचित सदस्य होता है, इसलिए वह हमारी राजनीति और राजनीतिक व्यवस्था का एक प्राणी है। कार्यालय किस तरह से काम करता है, यह व्यक्ति पर निर्भर करता है, लेकिन दुख की बात है कि हमारी व्यवस्था में राजनीतिक मुख्य कार्यकारी अधि ाकारी इस कार्यालय को डराते हैं और अक्सर अध्यक्ष राजनीतिक दिग्गजों का एक मात्र सेवक बनकर रह जाता है। बेशक, एक अध्यक्ष दृढ़ निश्चयी हो सकता है और सही काम करने का विकल्प चुन सकता है, भले ही इससे राजनीतिक आकाओं की नाराजगी हो। लेकिन भारत में ऐसा शायद ही कभी हुआ हो। तेजी से, पीठासीन अधिकारी वह साधन बन गए हैं, जिनके द्वारा सरकारें निर्वाचित विधायिकाओं को नियंत्रित करती हैं और यहां तक कि विपक्ष की संख्या कम करने के लिए सदस्यों को निलंबित करके जनादेश और बहुमत को भी नष्ट कर देती हैं। तटस्थ अध्यक्ष की व्यवस्था हाउस ऑफ कॉमन्स में काफी हद तक काम कर गई है, लेकिन लोकसभा में ऐसा नहीं है। यहां अध्यक्ष आकाओं की सुविधा के लिए एक मात्र राजनीतिक अनुचर बन गया है। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष इसकी बहसों की अध्यक्षता करते हैं, बहस के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निर्धारित करते हैं कि कौन से सदस्य बोल सकते हैं, और सदन के नियमों को तोड़ने वाले सदस्यों को दंडित कर सकते हैं। हमने हाल ही में देखा कि कैसे हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे होयल ने एक विघटनकारी प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को यह कहकर शांत कियारू "आप ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री हो सकते हैं, लेकिन मैं इस सदन का स्वामी हूँ और मैं आपको बैठने का आदेश देता हूँ!" कई अन्य देशों में विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों के विपरीत, ब्रिटिश अध्यक्ष पूरी तरह से गैर–पक्षपाती रहता है, और पद ग्रहण करने के साथ–साथ पद छोड़ते समय भी अपने पूर्व राजनीतिक दल से सभी संबद्धता को त्याग देता है। परंपरागत रूप से, हाउस ऑफ कॉमन्स उन अध्यक्षों को फिर से चुनता है जो एक से अधिक कार्यकाल के लिए पद पर बने रहना चाहते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का अध्यक्ष एक सक्रिय और पक्षपातपूर्ण नेतृत्व वाला पद है, और वर्तमान अध यक्ष बहुमत दल के विधायी एजेंडे को निर्धारित करने के लिए सक्रिय रूप से काम करता है। दुर्भाग्य से, भारत में, जिसे ब्रिटिश प्रणाली की नकल माना जाता था, वह वास्तव में अमेरिकी प्रणाली की तरह समाप्त हो गया है। लेकिन एक बड़ा अंतर है। अमेरिका में, व्हिप विधायिकाओं को नियंत्रित नहीं करता है। लोकतंत्र केवल एक निर्वाचित संसद और आवधिक चुनावों के बारे में नहीं है। बहस और चर्चा के बिना लोकतंत्र निरर्थक है। लोकतंत्र समझौतों और समायोजन द्वारा सरकार की प्रणाली है। इसीलिए इसे सुलह प्रणाली कहा जाता है, जहाँ व्यक्तियों, समूहों, क्षेत्रों और राष्ट्रों की असंख्य आकांक्षाओं को आम भलाई के लिए समेटने की कोशिश की जाती है। इसलिए यह चर्चा और बहस द्वारा सरकार है, क्योंकि चुनाव करने का तरीका आम सहमति और स्वीकृति है। लोकतांत्रिक कामकाज के लिए एक प्रमुख शर्त संस्थागत व्यवस्था और सुसंगति है। इस बारे में कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है कि हमारी संसद और विधानमंडल अब कितने बेकार हो गए हैं। यह कलंक लंबे समय से बना हुआ है और अब वे देश की कई समस्याओं पर विचार–विमर्श करने के बजाय राजनीतिक वाचालता के लिए मंच बन गए हैं। पहली लोकसभा ने लगभग 4,000 घंटे काम किया, जबकि 16वीं लोकसभा ने सिर्फ 1,615 घंटे काम किया। आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी की वरिष्ठ फेलो डॉ. जेसिका सेडन ने हाल ही में ष्संसद में नियंत्रण की सीमाएंष शीर्षक से एक विचारोत्तेजक पेपर लिखा, जिसमें उन्होंने संस्थागत व्यवस्थाओं की जांच की, जो संसद के दोनों सदनों में महत्वपूर्ण मामलों पर बुद्धिमानी और धैर्यपूर्वक चर्चा को रोकती हैं। डॉ. सेडन लिखती हैं संसदीय प्रक्रिया वर्तमान में रचनात्मक बहस के खिलाफ है। यह सरकार को चर्चा के लिए आने वाले मुद्दों पर पर्याप्त नियंत्रण प्रदान करती है, विकल्पों को स्पष्ट करने और गंभीरता से विचार करने के अवसरों को सीमित करती है, और कमोबेश सरकार और विपक्ष की सीमाओं को काटने वाले गठबंधनों को रोकती है। ऐसा करने से, यह विपक्ष को विशिष्ट समस्याओं को उजागर करने, नए समाधान प्रस्तावित करने और सामान्य हितों के इर्द–गिर्द मुद्दे–आधारित गठ बंधन बनाने की किसी भी जिम्मेदारी से प्रभावी रूप से मुक्त कर देता है।

दलित सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता

संजय

बिहार की राजनीति में चमत्कार घटित करने वाले, भारतीय दलित राजनीति के शीर्ष नेता एवं पूर्व केन्द्रीय खाद्य आपूर्ति मंत्री रामविलास पासवान का जीवन राजनीति में नये मूल्यमानक गढ़ने का प्रेरक रहा है जिन्होंने राजनीति में पाँच दशकों से भी ज्यादा समय तक सक्रिय रहकर विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री तक की जिम्मेवारी बखूबी निभाई थी। पासवान को एक ऐसा नेता माना जाता है जिन्हें हर धर्म और समुदाय के लोगों का प्यार व समर्थन हासिल हुआ और वे देश में विकास पुरुष के तौर पर जाने गए। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू के में पासवान की अहम भूमिका रही। उनके रेलमंत्रित्व काल में बिहार में कई परियोजनाएं शुरू हुईं और जिस भी मंत्रालय में वे रहे, उनकी चिंताओं के केंद्र में हमेशा गरीब–गुरबा और हाशिए पर रहनेवाले लोग ही रहे। रामविलास पासवान का जीवन दलित सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक जीवंत दस्तावेज है। 5 जुलाई 2024 को उनका 78वां जन्म जयन्ती समारोह राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। रामविलास पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी की वर्ष 2000 में स्थापना की एवं संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से उनका राजनीति सफर शुरु हुआ। वे अकेले ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व थे जिन्हें अनेक प्रधानमंत्रियों के साथ काम करने का मौका मिला और वे दो बार लोकसभा में सदन के नेता भी रहे। उन्होंने 1977 में हाजीपुर से रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीत कर एक अनूठा इतिहास बनाया। उन्होंने दलितों से लेकर सर्वहारा वर्ग के लिये हमेशा आगे बढ़कर एक कर्मयोद्धा की भांति लड़ाई लड़ी। 1969 से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाले रामविलासजी ने जेपी आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और फायरब्रांड समाजवादी के रूप मे उभरे। वे वंचित वर्गों की आवाज मुखर करने वाले तथा हाशिए के लोगों के लिए सतत संघर्षरत रहने वाले जनसेवक थे। उनका जीवन राजनीति में न केवल दलितों–वंचितों के उन्नायक महानायक बल्कि उच्च चारित्रिक एवं नैतिक मूल्यों का प्रेरक था। पासवानजी का जन्म बिहार के खगरिया जिले के अलौली प्रखंड के शाहरबन्नी गाँव में हुआ। अनुसूचित जाति के परिवार में पिता जामुनजी पासवान एवं माता सियादेवी की कुक्षी से आपका जन्म 5 जुलाई, 1946 को हुआ। उन्होंने 1960 के दशक में राजकुमारी देवी से पहली शादी की जिसे 1981 में तलाक दे दिया था। उनकी पहली पत्नी राजकुमारी से उषा और आशा दो बेटियां हैं। 1983 में, अमृतसर से एक एयरहोस्टेस और पंजाबी हिन्दू रीना शर्मा से दूसरा विवाह किया। जिससे उनके एक बेटा और बेटी है। उनके बेटे चिराग पासवान एक अभिनेता से राजनेता बने हैं, वर्तमान में लोजपा के राष्ट्रीय अध यक्ष है और हालही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर वे अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हनुमान' के रूप में वे उनके विश्वासपात्र है। श्री रामविलास पासवान का राजनीति जीवन अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं का समवाय रहा है। उन्होंने 11 बार चुनाव लड़ा और उनमें से नौ बार जीत हासिल की थी। वे सत्रहवीं लोकसभा में मोदी सरकार में एक बार फिर से उपभोक्ता मामलात मंत्री बने। बिहार में कभी बड़ी ताकत नहीं बन पाए पासवान ने दिल्ली की राजनीति में खुद को एक ताकत बनाए रखा और तीन दशकों तक देश के विभिन्न प्रधानमंत्रियों की जरूरत बने रहे। विश्वनाथ प्रताप सिंह, एच डी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी की सरकारों में भी अहम पदों पर रहे। भारतीय राजनीति के इस जुझारू एवं जीवट वाले नेता ने राजनीति में कर्मयोगी की भांति जीवन जीया। यह सच है कि वे बिहार के थे यह भी सच है कि वे लोजपा के थे किन्तु इससे भी बड़ा सच यह है कि वे राष्ट्र के थे, राष्ट्रनायक थे। देश की राजनीति में वे दुर्लभ एवं संवेदनशील व्यक्तित्व थे। गरीबों, वंचितों, दलितों की आवाज बनने वाले इस विलक्षण राजनेता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की अनेक विशेषताएं थी, वे उदात्त संस्कार, लोकजीवन से इतनी निकटता, इतनी सादगी–सरलता, इतना धर्म–संस्कृतिप्रेम और इतनी सचाई ने उनके व्यक्तित्व को बहुत और बहुत ऊँचा बना दिया था। वे अन्तिम साँस तक देश की एवं दलितों–वंचितों की सेवा करते रहे। उनका निधन एक राष्ट्रवादी सोच की राजनीति एवं सर्वहारा वर्ग के मसीहा महानेता का अंत था। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे। उनके जीवन को राजनैतिक जीवन में शुद्धता की, मूल्यों की, संस्कृति की, दलित राजनीति की, सर्वहारा वर्ग के लिये संघर्ष की, सिद्धांतों पर अडिग रहकर न झुकने, न समझौता करने की प्रेरकता का विलक्षण एवं अनुकरणीय उदाहरण था। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। उनके जीवन से जुड़ी विधायक ध ारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। बिहार के लिए सचमुच वे 'राम' यानी सबके प्रिय एवं चेहते थे। एक युवा नेता के रूप में उन्होंने आपातकाल के दौरान अत्याचार और लोकतंत्र पर हमले का सशक्त एवं प्रभावी विरोध करते हुए अपनी स्वतंत्र राजनीतिक सोच एवं दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। जरूरतमंदों की सहायता करते हुए, नये राजनीतिक चेहरों को गढ़ते हुए, मुस्कराते हुए और हंसते हुए छोटों से स्नेहपूर्ण व्यवहार और हम उम्र लोगों से बेलौस हंसी–मजाक करने वाले श्री रामविलास पासवान की जिंदगी प्रेरक, अनूठी एवं विलक्षण इस मायने में मानी जाएगी कि उन्होंने जिंदगी के सारे सरोकारों को छुआ। वह राजनेता थे तो उन्होंने दलित–वंचितों के लिये आवाज उठाई, सर्वहारा वर्ग की चिन्ता की, उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनका दृष्टिकोण व्यापक था और दलित हितों से प्रतिबद्ध था। वे दलित आंदोलनकारी और राजनीतिक घटनाक्रमों के सूत्रधार भी रहे। क्रांतिकारियों व वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सरोकारों से भी वे हमेशा जुड़े दिखे। बड़े व व्यस्त राजनेता होने के बावजूद विभिन्न धर्मों एवं सांस्कृतिक गतिविधि ायों में सहज भागीदारी– उनके जीवन के विविध आयाम थे।

भारतीय न्याय संहिता में महिलाए व बच्चो हेतु कानूनी प्रावधान विषय पर कर्यशाला आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार संकल्प एच0ई0डब्लू के अन्तर्गत जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निदेशानुसार मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम के मार्गदर्शन में बंशीधर राष्ट्रीय पाठशाला में जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय ने भारतीय न्याय संहिता 2023 में महिला एवं बच्चो हेतु कानूनी प्रावधान विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यशाला में साइबर थाना जौनपुर से आये हुए कांस्टेबल सुगम यादव एवं संग्राम सिह द्वारा साइबर सुरक्षा के बारे मे बच्चों को जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता देवेन्द्र यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यो में प्रकाश डाला गया और बताया गया कि कैसे गरीब लोग इसका लाभ ले सकते है। प्रकाश तिवारी असिस्टेन्ट डिफेन्स काउन्सिल द्वारा कानूनो में भारतीय न्याय संहिता में नये प्रावधानो के बारे में जानकारी दी गयी। डॉ0 दिलीप कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफैन्स काउन्सिल द्वारा पुराने कानून और नये कानून के बारे मे बच्चों को स्थानीय भाषा में जानकारी दी गयी जो बच्चों को खूब पसन्द आयी। अनिल सिंह चीफ डिफैन्स काउन्सिल द्वारा महिलाओं एंव बच्चों हेतु भारतीय न्याय सहिता 2023 में किये गये विशेष प्रावधानो के बारे में जानकारी दी गयी।

जिला प्रोंबेशन अधिकारी द्वारा महिला एवं बच्चों के आई0पी0सी0 के पुराने कानून को भारतीय न्याय सहिता को किस ध ाराओं मे रखा गया को विस्तार से बताते हुए नवीन प्रावधानो के बारे में जानकारी दी गयी साथ ही विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मिशन वात्सल्य के तहत संचालित स्पान्सरशिप योजना, दहेज प्रतिषेध नियम 1961, बाल विवाह एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राधानाचार्य, प्रमोद कुमार श्रीवास्वत द्वारा आये हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबन्धक, हरिचन्द्र श्रीवास्वत द्वारा एवं संचालन बाल सरंक्षण इकाई चन्दन राय द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने सेतु निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ किया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के द्वारा मीटिंग हॉल में सेतु निर्माण के अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

बैठक में जफराबाद–सुल्तानपुर–लखनऊ रेलवे सेक्सन (नईगंज) में बनने वाले ओवर ब्रिज की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया है कि 10 दिन के अंदर रेलवे भाग अनुमानित डिजाइन ड्रॉइंग द्वारा सेतु निगम को उपलब्ध करा दिया जाएगा, तत्पश्चात निर्माण कार्य सेतु निगम के द्वारा प्रारंभ कर दिया जाएगा। जगदीशपुर ओवर ब्रिज के निर्माण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए। जनपद में उत्तर रेलवे के जौनपुर–शाहगंज रेल सेक्शन के सम्पार संख्या–43ए एवं 42 एए पर संयुक्त रेल उपरिगामी सेतु तथा जफराबाद–जंघई–प्रयागराज (हौज) खास की स्वीकृति हेतु वार्षिक कार्य योजना में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करे जिससे जनपद की जनता को जाम से निजात मिल सके।

इस अवसर पर उ0प्र0 राज्य सेतु निगम वाराणसी लि0 वाराणसी दीपक गोविल, उप परियोजना प्रबन्धक सेतू निर्माण इकाई जौनपुर जेपी गुप्ता, सहायक अभियंता के के मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की कान्फ्रेंस की पुस्तक का विमोचन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सत्र 2023–24 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस ICCICS–2023 की पुस्तक "रीसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटशनल इंटेलीजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी" , टेलर एंड फ्रांसिस प्रकाशन एवं राष्ट्रीय कांफ्रेंस RACMEE–2023 की "रीसेंट एडवांसेस इन सिविल,मैकेनिकल एंड इलेट्रिकल इंजीनियरिंग" की पुस्तक श्रृंखला का लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विमोचन किया स कुलपति ने संकाय में शोध आधारित कार्यक्रमों एवं संकाय के शिक्षकों और छात्रों की शोध कार्यों में सहभागिता के लिए बधाई दी स संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर ए. के. सिंह ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग और इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार

विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में टेलर एंड फ्रांसिस में 38 शोध पत्र, जो की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑटोमेशन आदि नई भविष्य की तकनीकी पर शोध पत्र प्रकाशित किए गए स

मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 59 शोध पत्र जिसमे से 12 शोध पत्र ब्रिटेन, युगांडा, मॉरीशस, सऊदी अरब के डिलेगेट्स के द्वारा इंडस्ट्री 4.0, 3क प्रिंटिंग, बायोमैकेनिक्स, नैनोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स संबंधित शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस के कोऑर्डिनेटर डॉ. जीशान अली सिद्दीकी, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ कमलेश तिवारी सहित कांफ्रेंस आर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेस

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति एवं निफा जौनपुर के तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक पर 4 जुलाई गुरुवार को किया गया।

शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉक्टर लक्ष्मी सिंह एवं सी.एम.एस. डॉक्टर के के राय के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया, संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह ने डॉक्टर लक्ष्मी सिंह सीएमओ एवं डॉक्टर के के राय को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। शिविर में करीब 30 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और 21 लोगों का रक्तदान हुआ रक्तदानियों में प्रमुख रूप से अभिनव सिंह, आकाश चतुर्वेदी, शुभम मौर्य, आदि रहे। संस्था द्वारा सभी रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर निफा सचिव जौनपुर अमित सिंह, संजय सेठ, नीरज शाह, राखी सिंह, शोभना स्मृति, विद्याधर राय विद्यार्थी, सहित संस्था के कार्यकर्ता सौम्या सिंह, मंजू सिंह, सत्यजीत मौर्य, सद्दाम हुसैन, किरन आदि उपस्थित रहे, साथ ही साथ ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर सैफ हुसैन खान एवं टीम मेंबर डॉक्टर आलोक मनी, डॉक्टर एच के कुशवाहा, अंकित राय, दीक्षा राय, शालिनी मौर्या, अजय कुमार उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने किया वृक्षारोपण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वन महोत्सव में गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह एवं उनके प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने सरायराशी में बने अमृतसर सरोवर पर वृक्षारोपण किया।इस मौके पर वृक्षारोपण के लिए आवाह्न करते हुए कहा कि पेड़ पौधे धरती का श्रृंगार एवं मानव जीवन का आधार है आप सभी से आग्रह है कि वृक्षारोपण करें और ध ारा को समृद्ध बनाने में अपना योगदान दें।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष वरुण चौधरी ,प्रभारी दिनेश मिश्रा,जिला पंचायत सदस्य देवता प्रसाद पटेल,राजेश पाठक,शीतला प्रसाद सिंह,योगेंद्र सिंह,परमात्मा

सिंह,सुशील सिंह,सूर्यभान जग्गू पूर्व प्रधान सराय राशि,राजाराम यादव,सुरेश तिवारी, अमरजीत सिंह,उमेश्वर प्रताप सिंह,उदय पाल सिंह, चंद्रभूषण सिंह विक्कू, ओ.पी यादव उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जिला जज ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) आज राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह की अनुमति से 13 जुलाई 2024 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक विद्युत विभाग से सम्बंधित वादों के निस्तारण कराए जाने हेतु जनपद के विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। जिला जज द्वारा अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।उक्त बैठक में अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत सुनील कुमार मिश्र,

अपर जिला जज अच्छे लाल सरोज , अपर जिला जज/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत हेमेन्द्र कुमार तथा अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई भूपेंद्र प्रताप, विद्युत विभाग से सूर्य कुमार, कुलदीप कुमार, शशांक, विनोद कुमार, ए.के, कनोजिया व अधिवक्ता के0के0 सिंह उपस्थित रहे।

रामपथ बताकर गलत वीडियो वायरल करने वाले दो पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज

अयोध्या। सपा के छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष ने एक फेक वीडियो अयोध्या का बताकर वायरल किया था।जिसे गंभीरता से लेते हुए कोतवाली नगर पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।बताते चलें कि बुधवार को सड़क पर चलते हुए एक महिला के सड़क धंसने से गड्ढे में गिरने का वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस के मुताबिक सपा नेताओं ने इसे अयोध्या धाम का रामपथ बताकर ट्रोल किया है। इस संबंध में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने शहर के विष्णु पुरी कालोनी के आयुष शुक्ला द्वारा कोतवाली नगर में दी गई तहरीर पर समाजवादी पार्टी की छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष मुलायम सिंह कुशवाहा और साकेत महाविद्यालय के छात्रसंघ महामंत्री रहे अवधेश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जिसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

थाना बीकेटी पुलिस टीम द्वारा कई वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना बीकेटी पुलिस टीम द्वारा थाना हाजा पर पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0– 248/2018 धारा 419/ 420/ 467/ 468/ 471/ 324/ 376डी /385 /406/506 भादवि व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट व 67ए आईटी एक्ट से सम्बन्धित एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त विवरण–

दिनांक 22.04.2018 को वादिनी मुकदमा के द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना बीकेटी पर मु0अ0सं0 248/2018 धारा 419 /420 /467/468 /471/324 /376डी/385/ 406/506 भादवि व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट व 67ए आईटी एक्ट पंजीकृत होकर विवेचना नियमानुसार तत्कालीन क्षेत्राधिकारी महोदय को सुपुर्द हुई, जिसमें दिनांक 26.01.2022 को मुख्य अभियुक्त अमित सिंह उर्फ मो० एजाज आदि के विरूद्ध आरोप प्रमाणित होने पर नियमानुसार कुर्की की कार्यवाही करते हुए भारतीय दूतावास को रेड कार्नर नोटिस निर्गत करते हुए आरोप पत्र मा० न्यायालय प्रेषित किया गया था। अभियुक्त कई वर्षों से पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिये साऊदी अरब में छिपा हुआ था। दिनांक 04.07.2024 को प्रभारी निरीक्षक के सीयूजी नम्बर 9454403842 पर चौधरी चरण सिंह एयर पोर्ट अमौसी लखनऊ के सुरक्षा कर्मी कीर्तिमान सिंह पुत्र अरून कुमार निवासी 5ध्3 आवास विकास कालोनी शाहजहाँपुर द्वारा सूचना दी गयी कि आपके कार्यालय से निर्गत रेड कार्नर नोटिस के क्रम में मो० एजाज उर्फ अमित सिंह पुत्र स्व० सरताज निवासी म0नं0 363/18 ज्ञ हसनगंज राजाजीपुरम थाना सहादतगंज जनपद लखनऊ उम्र करीब 36 वर्ष साऊदी अरब से इंडिगो फ्लाइट से वापस आया है, जिसको रेड कार्नर नोटिस के क्रम में सुरक्षा कर्मी द्वारा हिरासत में ले लिया गया है व आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अनुरोध किया गया। जिस पर प्रभारी निरीक्षक बीकेटी द्वारा पुलिस टीम को एयर पोर्ट अमौसी लखनऊ भेजा गया। जहाँ से थाना बीकेटी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 248/ 2018 धारा 419 /420/ 467/468/ 471/324/376डी /385/406/506 भादवि व 3(2)5 एससीध्एसटी एक्ट व 67ए आईटी एक्ट थाना बीकेटी लखनऊ से सम्बन्धित भगौड़ा अभियुक्त अमित सिंह उर्फ मो० एजाज उपरोक्त को हिरासत पुलिस में लिया गया। मौके पर गिरफ्तारी मैमो तैयार किया गया, तथा अभियुक्त के जामा तालाशी से दो अदद पासपोर्ट व एक अदद बोर्डिंग कार्ड IndiGo फ्लाईट नं0 6E98 को कब्जा पुलिस में लिया गया। अभियुक्त को हिरासत पुलिस में लेकर उसके जुर्म धारा उपरोक्त व कारण गिरफ्तारी से अवगत कराते हुए हिरासत में लिया गया।

नगर के विभिन्न स्थानों पर होने वाले जल भराव का तत्काल हो निराकरण – वेद गुप्ता

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर विधायक अयोध्या ने आज रिकाबगंज से कसाबबाड़ा रोड सहित नगर के विभिन्न स्थानों का नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया, और अलर्ट मोड में जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया।नगर विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता नगर निगम के नगर आयुक्त संतोष शर्मा,अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय व जे ई,सफाई नायकों की टीम को लेकर रिकाबगंज –कसाबबाड़ा मार्ग पर जल भराव की समस्या का स्थलीय निरीक्षण किया।उन्होंने जगह–जगह चोक नालों को तत्काल साफ कराते हुए हर हाल में सभी नालों का बिना रुकावट संचालन जारी करने को कहा ताकि अब होने वाली भारी–वर्षा से इस क्षेत्र के साथ–साथ नगर के किसी भी क्षेत्र में जल भराव की समस्या ना आए व जनमानस को भारी समस्या का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि अति वृष्टि होने से जगह–जगह जल भराव हो गया था उसको युद्ध स्तर पर साफ करा दिया गया है और आने वाली वर्षा ऋतु को देखते हुए तमाम बड़े व छोटे नालों आदि की साफ सफाई , चेकिंग जल्द से जल्द करा दी जाए। उन्होंने नगर निगम की टीम के साथ जनपद के विभिन्न स्थानों पर जाकर जनता से रूबरू होते हुए उनकी जलभराव की समस्या के साथ–साथ अन्य समस्याओं को भी सुना और उनको निस्तारित करने में अपना निर्देश अधिकारियों को दिया।इस अवसर पर हरिभजन गौड़,देवेंद्र मिश्रा दीपू आदि लोग मौजूद रहे।

बारिश के दौरान चमकी बिजली में दग गए तीन दर्जन इंसुलेटर

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। विद्युत उपकेंद्र पटरंगा व बीपी मवई रायपुर क्षेत्र में मंगलवार को बारिश के दौरान आसमान में तड़तड़ाहट के साथ जोरदार बिजली चमकी।बिजली की चमक से पटरंगा बीपी मवई फीडर पर लगभग तीन दर्जन इंसुलेटर दग गए।जिससे कई गांवो की विद्युत सप्लाई प्रभावित हो गई।विद्युत सप्लाई बहाल कराने के लिए क्षेत्रीय अवर अभियंता की अगुवाई में विद्युत संविदाकर्मियों की बड़ी फौज ने मोर्चा संभाला।लगभग 3–4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अधिकतम गांवो की सप्लाई बहाल हुई।बताते चले कि लालपुर नहर के पास खंबे में लगा इंसुलेटर दग गया।संविदाकर्मी संतोष यादव राम बरन अनंतराम मुलायम व सुनील तत्काल मौके पर पहुंच इंसुलेटर बदलकर सप्लाई बहाल कराई।तकिया गांव में एक नीम का पेड़ रामलव के छप्पर पर गिर गया।जिससे उनका छप्पर सहित उसके अंदर रखा हुआ समान टूट गया।इस दौरान वहां से निकली एबीसी लाइन टूटकर गिर गया।सूचना पर पहुंचे विद्युतकर्मियों ने तत्काल तार खींचकर सप्लाई बहाल कराया।पूरे काजी के निकट डिस्क पंचर हो गया।विद्युतकर्मी नृपेंद्र पवन आदि लोग मौके पर पहुंच तार खींचकर सप्लाई बहाल कराया।इसी तरह विद्युत उपकेंद्र पटरंगा अंतर्गत पटरंगा गांव व सुल्तानी पुरवा दफियापुर दरौली में कई जगह इंसुलेटर दगे व तार टूटे।विद्युतकर्मी मोनू तिवारी सुमित सिंह जय सिंह भीम अमर आदि लोग अलग अलग टीम में पहुंचकर नया इंसुलेटर व तार खींचकर सप्लाई बहाल कराया।विद्युतकर्मी सुमित सिंह ने बताया राजीव गांधी योजना अंतर्गत रखे गए ट्रांसफार्मर में लगे अधिकतम इंसुलेटर दग गए थे,जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बदला गया।भिखनापुर गांव के समीप 11 हजार का तार टूट गया।जिससे 4 गांव की सप्लाई बाधित रही।अवर अभियंता रजनीश वर्मा ने बताया तार जोड़कर सप्लाई बहाल करा दी गई।रायपुर उपकेंद्र के जेई अखिलेश रावत ने बताया कि बारिश के चलते इस समय समस्याएं आ रही है।फिरहाल क्षेत्र में फुल पेट्रोलिंग के साथ युद्ध स्तर पर कार्य कराया जा रहा है।स्पार्क आदि समस्या को दूर करने के लिए पेडों की छटाई कराई गई है।काफी प्रयास के बाद अब पूरे क्षेत्र की सप्लाई बहाल हो सकी है।

नगर विधायक ने वृक्षारोपण कर जयपुरिया स्कूल में आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का किया शुभारंभ

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जयपुरिया स्कूल में आयोजित वन महोत्सव श एक पेड़ मां के नाम श कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य अतिथि के रुप में आये नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने वृक्षारोपण किया।अयोध्या वन प्रभाग द्वारा विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में अयोध्या विधायक ने वृक्षारोपण कर अभियान की शुरुआत की।इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि एक पेड़ 100 पुत्रों के बराबर होता है। पेड़ हमें जीवन के लिए जरूरी आक्सीजन, फल, छाया और औषधी प्रदान करते हैं। दुनिया भर में विकास के चलते पेड़ों का कटाव किया जा रहा है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि पार्कों, खाली पड़े मैदानों, घरों, कार्यालयों व आस–पास के क्षेत्रों में पौधे लगाएं ताकि पेड़ों की कमी का खामियाजा न भुगतना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान को पूरी तन्मयता से पूरा करने की नसीहत दी और अधिक से अधिक जनता को भी इसमें सहभागी बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर वन विभाग के रेंजर रतेंद्र,जयपुरिया स्कूल के एमडी विशाल गुप्ता समेत अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शीघ्र ही मिल जायेगी एंटी करप्शन थाना अयोध्या रेंज को अपनी जमीन

जमीन की तलाश के लिए कई बार पत्राचार कर चुका है विभाग

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शीघ्र ही भ्रष्टाचार निवारण संगठन थाना अयोध्या रेंज का अपना स्थाई कार्यालय खुल जायेगा।इसके लिए प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन थाना राय बहादुर साहब ने बताया कि इसके लिए विभाग द्वारा पत्राचार कई बार किया जा चुका है।उन्होंने बताया कि हो सकता है कि इसी वर्ष विभाग को शासन द्वारा कार्यालय को अपनी जमीन मिल जाये।जिसके चलते यह थाना भी स्थाई रुप से एक जगह पर स्थित हो जायेगा।बताते चलें कि वर्ष 1977 से अब तक यह थाना पुलिस लाइन में स्थित है।बीच में इसका जीर्णोद्धार वर्ष 2009 में किया गया था।इस समय इस थाना मे कुल पांच कक्ष है।जिसमें निरीक्षक व अन्य कर्मियों का कक्ष आवंटित है। वही उसी मे यहां पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के रहने के लिए बैरक भी है।मालूम हो कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन थाना अयोध्या रेंज में कुल पांच जिले आते हैं।जिसमें अयोध्या,अम्बेडकर नगर,अमेठी, बाराबंकी व सुल्तानपुर जिले आते हैं। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक राय बहादुर साहब ने बताया कि इस कार्यालय के जमीन के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया था।जिसके चलते गृह विभाग ने गंजा गांव के पास 18 एकड़ जमीन भी विभाग को दिया था।इसी बीच सुरक्षा को लेकर यह जमीन पुलिस के अन्य शाखाओं को दे दी गई।जिसमें पीएसी सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों को देने की बात चलने लगी।उन्होंने बताया कि कार्यालय को स्थाई रुप से लाने के लिए एक बार फिर जमीन के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया है।जिसे जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व विभाग को भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मुख्य राजस्व अधिकारी के मुताबिक शीघ्र ही विभाग को जमीन मिल जायेगी।

मंडलायुक्त ने जल भराव से प्रभावित विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने अतिवृष्टि के कारण जल भराव से प्रभावित विभिन्न स्थलों से नगर निगम को प्राप्त हो रही शिकायतों के सम्बन्ध में नगर निगम द्वारा की जा रही कार्यवाहियों के अवलोकन हेतु शहर के विभिन्न स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संध्या सरोवर(लालडिग्गी),रेलवे क्रासिंग जिंगल बेल स्कूल के पास नाले सहित कृष्ण विहार कॉलोनी, गद्दोपुर सहित अन्य मोहल्लो में जल निकासी हेतु लगाए गए पंप आदि व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया तथा जल निकासी सतत रूप से जब तक जल भराव कम न हो, जारी रखने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए।मंडलायुक्त ने जलभराव वाले स्थानों पर नगर निगम के अधिकारियों को सतत निगरानी रखते हुये भरे पानी को पम्प के माध्यम से अतिशीघ्र खाली करवाने के निर्देश दिये। नगर निगम में 24 घंटे कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है।

शिनाख्त के लिए अलीगढ़ के चार जगहों पर रखे शव

अलीगढ़, संवाददाता। हाथरस के सिकंदराराऊ में सत्संग के दौरान मची भगदड़ में हुई मौतों के बाद अलीगढ़ जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया। शिनाख्त के लिए शहर के चार जगहों पर शव रखे गए हैं। एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि हादसे में मृत लोगों के शव रखने के लिए पोस्टमार्टम हाउस, मलखान सिंह जिला अस्पताल, पंडित दीनदयाल संयुक्त चिकित्सालय और जेएन मेडिकल कॉलेज में व्यवस्था की गई है। देर शाम से यहां शव रखवाना शुरू कर दिया गया था। शव की शिनाख्त होने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। तीनों ही स्थानों पर पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी सरकारी व निजी अस्पतालों में घायलों के उपचार की व्यवस्था की गई है। एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में भी डॉक्टरों की टीम तैनात कर दी गई है। सिकंदराराऊ हादसे को लेकर कमिश्नरी में कंट्रोल रूम बनाया गया है। मंडल के अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज जनपद में भी अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां से हादसे के बारे में जानकारी ली जा सकेगी।

उन्नाव की महिला की भी मौत

उन्नाव, संवाददाता। हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ में उन्नाव की महिला की भी मौत हुई है। वह रायबरेली निवासी अपने पिता के साथ सत्संग में शामिल होने गई थी। साथ में पांच साल का बेटा भी था। हादसे के बाद लापता हुए बच्चे को वहां की पुलिस ने बुधवार को खोज कर परिजनों के सुपुर्द किया है। बारा सगवर थाना क्षेत्र के बक्सर गांव निवासी राजन पासवान की पत्नी रूबी (34) सोमवार को रायबरेली जिले के नरसिंहपुर निहस्था निवासी पिता छेदीलाल के साथ सत्संग में शामिल होने गई थी। साथ में पांच साल का बेटा श्रेयांश भी था। रूबी के पिता हरि बाबा के अनुयायी हैं। मंगलवार को हाथरस जिले के सिकंदराराउ के फुलरई मुगलगढ़ी में सत्संग के बाद निकल रहे बाबा की चरण धूल के लिए भीड़ बेकाबू हो गई। हादसे में रूबी की भी मौत हो गई। सूचना से परिवार में कोहराम मच गया परिवार के लोग शव लाने के लिए हाथरस पहुंच गए हैं।

पिता के साथ कई बार सत्संग में जा चुकी थी रूबी

मृतका के देवर सुंदर ने बताया कि भाभी के पिता, सत्संग में जा रही बस से गए थे। उन्होंने ने भाभी को लिवा लिया था। इससे पहले भी भाभी अपने पिता के साथ कई बार सत्संग में जा चुकी हैं। सोमवार को बरुआ गांव निवासी बहन (मृतका की ननद) रानी पत्नी रजोल भी दूसरी बस में बैठकर सत्संग में गई थीं।

हाथरस पहुंचकर परिजनों ने शव की पहचान की

हालांकि वह सुरक्षित हैं। हादसे के बाद रूबी के न मिलने पर रानी ने फोन करके सूचना दी। इसके बाद सुंदर व पारिवार के ही अंकित, रिश्तेदार राकेश, मृतका की चचेरी बहन शिवकुमारी व भाई सूर्यभान हाथरस के लिए रवाना हुए। बुधवार को पुलिस के सहयोग से रूबी के शव की पहचान की।

मासूम बेटा अलीगढ़ में सुरक्षित मिला

साथ में गया पांच साल का बेटा श्रेयांश पुलिस की मदद से अलीगढ़ में सकुशल मिला। मृतका के देवर सुंदर ने बताया कि रूबी के तीन बेटी रंजना (13) , संजना (10), श्रेया (8) और बेटा श्रेयांश (5) है। मृतका के ससुर राजाराम चौकीदार ने बताया कि परिवार के लोग गए हैं। शव आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। पति राजन अहमदा बाद में ट्रक चालक है। परिजनों की सूचना पर वह घर के लिए निकले हैं।

संक्षिप्त खबरें

दो बीघा जमीन के विवाद में युवती को मार डाला

बांदा, संवाददाता। दो बीघा जमीन कब्जाने की शिकायत महिला ने भतीजे के खिलाफ थाने में की। इसके अगले दिन महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष ने डंडे से पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। कालिंजर थाना क्षेत्र के शाहपाटन गांव निवासी चुन्नीलाल ने बताया कि पांच साल पहले भतीजी सुंता (35) के पति धनीराम की मौत हो गई थी। तभी से वह धनीराम के भतीजे दादू के साथ रह रही थी। उसके दो पुत्र व एक पुत्री का भी पालन पोषण दादू कर रहा था। इस बीच दो बीघा जमीन को अपने नाम कराने लिए दादू सुंता को प्रताड़ित कर रहा था। उनका रोज झगड़ा होता था। इससे परेशान होकर घटना से एक दिन पहले सुंता ने दादू के खिलाफ महुटा चौकी में तहरीर दी थी। उसके बाद वह घर आई तो दादू से उसका विवाद हो गया।

अनियंत्रित कार से पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत

चित्रकूट, संवाददाता। चित्रकूट जिले में राजापुर थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव के पास एक कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हुई, जो आपस में रिश्ते में भाई थे। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर जिले के खखरेडू निवासी जोगेंद्र उर्फ मोनू पाल रिश्ते में अपने भाई संग्रामपुर जिला फतेहपुर निवासी रविंद्र पाल के साथ कार से मंगलवार को चित्रकूट दर्शन करने आया था। देर रात को चित्रकूट से फतेहपुर जाते समय जैसे ही कार राजापुर थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर के पास पहुंची, तो अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई। मृतक मोनू के भाई पंकज पाल ने आशंका जाहिर की है कि कार सीधे पेड़ से नहीं टकराई, बल्कि सड़क पर किसी तेज गति से जा रहे ट्रक ने पहले कार में टक्कर मारी है। इसके बाद कार पेड़ से टकराई है। उन्होंने कार के दाहिनी ओर के क्षतिग्रस्त हिस्से को दिखाते हुए यह आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। मृतक जोगेंद्र उर्फ मोनू अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का फतेहपुर जिले का सह संयोजन था। इसके अलावा मृतक रविंद्र पाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

हाईटेंशन लाइन के नीचे खड़े कैंटर में करंट उतरने से लगी आग

बागपत, संवाददाता। बागपत जनपद के सरूरपुरकलां गांव में सूजरा मार्ग पर हाईटेंशन लाइन के नीचे खड़े कैंटर में करंट उतरने से आग लग गई। हादसे में शामली जिले के बरनावी गांव के राशिद की मौत हो गई जबकि उसके तीन साथी झुलस गए। पुलिस ने तीनों का जिला अस्पताल में उपचार कराया, जहां से दो को हायर सेंटर रेफर कर दिया। शामली जिले के बरनावी गांव का रहने वाला राशिद उर्फ अपने साथी मुस्तफा, गुफरान के साथ बुधवार की सुबह करीब करीब तीन बजे मुर्गी लेने के लिए सरूरपुर कलां गांव में सूजरा मार्ग पर मुर्गी फार्म पर आया था। तभी रास्ते में कैंटर खड़ी कर रुक गए। बताया कि कैंटर के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से राशिद उर्फ शिकारी के कैंटर में करंट उतर गया और आग लग गई। कैंटर में बैठे राशिद, मुस्तफा और गुफरान समेत चारों लोग झुलस गए। वे किसी तरह कैंटर से बाहर निकले। वहां पहुंचे पुलिस कर्मियों ने चारों को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने राशिद को मृत घोषित कर दिया जबकि दो को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उधर, कैंटर भी पूरे तरफ जल गया। घटना का पता चलनेपर मृतक के परिवार वाले पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और पुलिस भी जांच में जुट गई।

मालगाड़ी से गिरे कंटेनर, सहारनपुर से निकली नौ ट्रेनें

सहारनपुर, संवाददाता। करनाल में तरावड़ी रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को मालगाड़ी से कंटेनर गिर गए। इसकी वजह से अंबाला–दिल्ली वाया पानीपत रेलमार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। इस रूट की वंदे भारत, शताब्दी समेत नौ ट्रेनों को सहारनपुर से वाया मेरठ होते हुए दिल्ली भेजा गया। कई ट्रेनें कुछ देर के लिए सहारनपुर में रुकी। दरअसल, मंगलवार की सुबह करनाल के तरावड़ी रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी से कंटेनर गिर गए थे। कंटेनर गिरने की वजह से बिजली लाइन और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा। इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने आनन–फानन में अंबाला–दिल्ली वाया पानीपत के बीच चलने वाली ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा। यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कत न हो, इसलिए ट्रेनों को अंबाला–सहारनपुर रूट से निकाला गया। देहरादून–आनंद विहार के बीच चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस रद्द चल रही है, लेकिन मंगलवार को दो वंदे भारत एक्सप्रेस देखते ही रह गए। यह ट्रेनें कुछ देर के लिए सहारनपुर में रुककर आगे के लिए रवाना हुई।

फसलों की सुरक्षा के साथ किसानों की आय भी बढ़ाएगा करौंदा

सहारनपुर, संवाददाता। बेसहारा पशुओं से परेशान किसानों के लिए राहत भरी खबर है। किसान खेत की मेड़ पर करौंदा लगाकर न सिर्फ पशुओं से फसलों की सुरक्षा कर सकेंगे, बल्कि उसके फल बेचकर आय भी प्राप्त होगी। उद्यान विभाग किसानों को खेत की मेड़ पर करौंदा लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। कांटेदार पेड़ होने के चलते इससे पशु खेत में घुस नहीं पाएंगे। साथ ही उन्हें करौंदा के फल को बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी। करौंदा के फल से अचार सहित अन्य खाद्य पदार्थ तैयार होते हैं।

सामूहिक दुराचार के मामले में चिकित्सक समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज

सहारनपुर, संवाददाता। महिला का धर्मपरिवर्तन कराकर शादी रचाने व सामूहिक दुराचार के मामले में हिंदू संगठन बजरंग दल के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने आरोपी चिकित्सक समेत तीन लोगों के विरुद्ध संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हालांकि अभी इसमें कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। कोलकाता निवासी महिला ने गंगोह के मोहल्ला कोटला निवासी चिकित्सक अहबार हुसैन पर धर्म परिवर्तन कराकर निकाह रचाने और बाद में साथियों के साथ मिलकर सामूहिक दुराचार करने का आरोप लगाया था। पीडिध्ता को साथ लेकर बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने उच्चाधिकारियों के संज्ञान में मामला लाया। जिसके बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आई। बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपी चिकित्सक अहबार हुसैन, उसके साथी डॉ. आरिफ और शहजाद के विरुद्ध संगीन धाराओं रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। वहीं, बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने कहा कि यह लव जिहाद का मामला है।

हत्या से पहले मदरसा छात्र संग कुकर्म की आशंका

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले में हत्या से पहले मदरसा छात्र संग कुकर्म की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुकर्म की आशंका पर डाक्टर ने स्लाइड बनाई है। उधर, पुलिस ने मौलवी और हाफिज से सख्ती से पूछताछ की है। सूत्रों के अनुसार दोनों गुनाह कबूल चुके हैं। हालांकि पुलिस के मुताबिक कबूलनामे की कड़िया नहीं जुड़ रही हैं। मलवां थाने के एक गांव का रहने वाला नौ साल का बालक सौंरा स्थित अनवारूल उलूम रिजविया मदरसे में पढ़ता था। मदरसे से 29 जून को गायब हो गया था। उसका 30 जून को मदरसे से 300 मीटर दूर कुएं से बोरी में शव मिला था। पुलिस मौलवी व हाफिज से पूछताछ में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट छात्र की मौत घुटने से होना आया है। छात्र का शव मिलने पर मुंह में टेप बंधा था। कयास लगाए जा रहे कि टेप बंधा होने से छात्र सांस नहीं ले सका और उसका दम घुटा है। वहीं स्लाइड बनाई गई है। स्लाइड बनाए जाने से कुकर्म की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मदरसे में ही पढ़ने वाले गाजीपुर थाने के एक छात्र को भी पूछताछ के लिए उठाया। उससे कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। थानाध्यक्ष मुकेश सिंह ने बताया कि सारे बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा होगा।

मौलवी ने छात्र के भागने की उड़ाई थी अफवाह

मलवां थाने में छात्र की मां व पिता दोपहर को पहुंचे। करीब तीन घंटे बैठे रहे। मां ने बताया कि मदरसे में पढ़ाने वाले मौलाना व हाफिज ने उन्हें बेटे के बारे में गुमराह किया था। वह बोला था कि बेटा कहीं भाग निकला है। बेटा ऐसा नहीं कर सकता था। उन्होंने बताया कि मदरसा संचालक एक बार संवेदना जताने तक नहीं आए हैं। मदरसे में बिहार व बंगाल के मौलाना तालीम देने क्यों रहते हैं, इस पर सवाल उठाए है। मदरसे में गांव के लोगों को नहीं जाने दिया जाता है।

एलआईयू ने मदरसे की जांच

एलआईयू प्रभारी सत्यबाला सिंह ने टीम के साथ मदरसे की जांच की है। मदरसे के दस्तावेज भी खंगाले हैं। मदरसा अवैध तरीके से संचालित हो रहा था। एलआईयू मदरसा बंद कराने की रिपोर्ट भेज सकती है।

अनियंत्रित ट्रक सड़क पर खड़े डंपर से टकराया, चालक की मौत

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले में ललौली थाना क्षेत्र के दतौली के समीप मंगलवार रात साढ़े 11 बजे सड़क में जाम की वजह से खड़े डंपर में अनियंत्रित ट्रक पीछे से जा टकराया। इससे ट्रक के केबिन में चालक और खलासी फंस गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी और पोकलैंड मशीन से ट्रक का केबिन तोड़ा।

इसके बाद डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत से चालक और खलासी को बाहर निकाला। चालक की शिनाख्त बांदा जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र के बेंदा के खगइया ताला गांव निवासी सुशील प्रताप सिंह (35) पुत्र चंद्रभान सिंह के रूप में हुई। वहीं, खलासी प्रीतम सिंह मध्यप्रदेश के बारीगढ़ के रहने वाला है। पुलिस ने दोनों का अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल खलासी का फतेहपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसका पैर टूट गया है और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। चालक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

बांदा–टांडा हाइवे में जाम बना हादसे की वजह

वहीं, हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि बांदा जनपद के तिंदवारी थानाक्षेत्र के के जौहरपुर गांव के समीप उसरा नाला के पास डंपरों के एक्सीडेंट के बाद हाईवे में जाम लग गया था।

खड़े डंपर में पीछे से जा टकरा गया ट्रक

जाम बेंदा घाट से होते हुए यमुना पुल और दतौली के समीप ओती नौ नंबर रास्ते के मोड़ तक पहुंच गया था और वाहनों की लंबी लाइन सड़क में लगी थी। तभी फतेहपुर की ओर से बांदा को जा रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर रात साढ़े 11 बजे सड़क में खड़े डंपर में पीछे से जा टकरा गया।

आगरा व एटा में मिले मथुरा की लापता महिलाओं के शव, घरों में मची चीख पुकार

मथुरा, संवाददाता। यूपी के हाथरस में साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में प्रवचन सुनने मथुरा से भी महिलाएं गईं थीं। भगदड़ के दौरान 60 वर्षीय व 55 वर्षीय दो महिलाओं की मौत हो गई। एक का शव मिल गया था, जबकि दूसरी लापता थी। वहीं नगला हरजू गांव की भी एक महिला लापता था। लापता महिलाओं के शव आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज और एटा मेडिकल कॉलेज में मिले। मौत की खबर से परिजन रोना–पिटना मचा है। मगोर्रा थाना क्षेत्र के डोमपुरा गांव निवासी मुंद्रा देवी पत्नी भगवत प्रसाद पड़ोसी वासो देवी के साथ भोले बाबा के सत्संग में प्रवचन सुनने गईं थीं। सत्संग के समापन के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ में वासो देवी की मौत हो गई। मुंद्रा देवी के लापता होने की खबर गांव पहुंची। दोनों के परिजन हाथरस के के लिए रवाना हो गए। बुधवार की सुबह प्रशासन ने आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में घायलों और मृतकों को भेजा। यहां लापता मुंद्रा देवी की शिनाख्त की गई। मौत की सूचना पर परिजन आगरा पहुंचे। इसके अलावा नगला हरजू गांव निवासी महिला श्यामवती (55) भी लापता थी। इनकी शिनाख्त एटा मेडिकल कॉलेज पहुंचे शवों में की गई। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी अवधेश कुमार व चौकी प्रभारी संदीप कुमार डोमपुरा गांव पहंचे। प्रधान डॉ देवेंद्र सिंह ने बताया कि सत्संग में हुई भगदड़ में लापता महिलाओं के शवों की शिनाख्त आगरा व एटा में हो गई है। सरकार मृतकों के परिजन की हर संभव सहायता करेगी। आर्थिक मदद देने की सरकार ने घोषणा की है। उन्होंने परिजन को अपनी संवेदना व्यक्त की।

तानों से तंग आ महिला ने दे दी जान, शादी के पांच साल बाद भी नहीं हुई संतान

अमर उजाला नेटवर्क, मुरादाबाद, संवाददाता। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रामगंगा विहार में सोमवार रात एक महिला ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। महिला की पांच साल पहले शादी हुई थी लेकिन अब तक उसे कोई संतान नहीं हुई थी। जिस कारण पति और ससुराल के लोग उसे ताने देते थे। जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या की है। इस मामले में पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ दहेज हत्या में केस दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लटकने से मौत होने की पुष्टि हुई है। सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक पुराना आरटीओ निवासी शायरा (26) की शादी पांच साल पहले रामगंगा विहार निवासी इमरान के साथ हुई थी। इमरान टेंपो चलाता है। दंपती की कोई संतान नहीं है। युवती के भाई और मां का आरोप है कि इमरान नशा करने के कारण शायरा से आए दिन विवाद होता था। इमरान और उसके परिवार के लोग संतान न होने पर सायरा को ताने देते थे। सोमवार रात पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद शायरा अपने कमरे में चली गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था। इसके बाद वह दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक गई। इमरान ने दरवाजा न खुलने पर खिड़की से झांक देखा तो शायरा फंदे पर लटकी हुई थी। इमरान ने इस मामले की जानकारी सायरा के मायके वालों को दी। महिला की मौत की खबर मलने पर सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और फॉरेंसिक विभाग की टीम भी बुला ली।

शायरा के भाई वासिद अली ने ने बताया कि इमरान और उसके परिवार के लोग दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित करते थे। सीओ अर्पित कपूर ने बताया कि भाई की तहरीर के आधार पर शायरा के पति इमरान, उसके भाई मेहराज व इरशाद ओर मां आमना के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया गया है। पति समेत तीन को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

15 दिन पहले दी धमकी... फिर युवक पर कर दी फायरिंग

मुरादाबाद, संवाददाता। मझोला के बुद्धि विहार में मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे 11वीं के छात्र वैभव (20) को बाइक सवार युवकों ने गोली मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी धमकी देने के बाद भाग निकले। घटना के समय वैभव अपने साथी के साथ बुद्धि विहार में तालाब के पास घूमने गया था। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने अस्पताल पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गई है। मुख्य आरोपी ने 15 दिन पहले वैभव को गोली मारने की धमकी दी थी। सिविल लाइंस के आशियाना कॉलोनी निवासी राजेश समाचार पत्र में फोटो जर्नलिस्ट हैं। उनका बेटा वैभव 11वीं कक्षा का छात्र है। मंगलवार शाम वैभव अपने मित्र आयुष के साथ बुद्धि विहार में घूमने गया था। दोनों ऑटो में बैठ कर बुद्धि विहार में सेंट मेरी स्कूल के पीछे तालाब के पास पहुंचे थे। यहां रात करीब साढ़े आठ बजे बाइक सवार कुछ युवक पहुंच गए। उन्होंने वैभव और आयुष को घेर लिया। इस दौरान वैभव कंधे में तमंचा सटाकर गोली मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। आरोप है कि हमला करने में अंकित यदुवंशी, सुमित, अमित और अन्य आरोपी शामिल थे।

आरोपियों ने वैभव को धमकी दी कि वह उसके मां बाप और भाई बहन को भी अगवा कर लेंगे। हमलावरों के जाने के बाद आयुष ने इस मामले की जानकारी पुलिस और वैभव के परिजनों को दी। इसके बाद राजेश राजा और परिवार के लोग व रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए और घायल को दिल्ली रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यहां एक्सरे कराने पर पता चला कि गोली कंधे में धंसकर जांघ तक पहुंच गई है। वैभव को गंभीर हालत में यहां से रेफर कर दिया गया है। इसके बाद उसे कॉसमॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि हमलावरों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घायल वैभव को गोली मारने वालों में शामिल रहे हिमगिरी निवासी आरोपी अंकित यदुवंशी से 13 जून को मझोला क्षेत्र में वैभव का झगड़ा हुआ था।

खेत पर जा रही महिला को स्कार्पियो ने मारी टक्कर, मौत

बागपत, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बड़ौत–मेरठ मार्ग से अपने खेत पर जा रही बिनौली निवासी महिला को कुचल दिया। यहां यूपी पुलिस के सिपाही की वृद्ध मां बेदो देवी (69) पत्नी स्वर्गीय ओमपाल सिंह को एचपी गैस गोदाम के पास एक स्कार्पियो कार के चालक ने टक्कर मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद कार चालक दुस्साहस कर मृतका के शव को गाड़ी में लेकर फरार हो गया है। सूचना पर बलबीरी देवी फिलिंग स्टेशन के मालिक किरणपाल, यशपाल सिंह, अनुज ने बाईक से कार का पीछा किया और बरनावा में लाक्षाग्रह गृह के सामने कार के आगे बाईक लगा दी तो कार चालक ने उन्हें भी टक्कर मारने की कोशिश की। शोर सुनकर मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण इकट्ठे हो गए। सूचना पर बरनावा चौकी से एक सिपाही वहां पहुंचा पेट्रोल पंप मालिक का आरोप है कि सिपाही ने उनके साथ बतमीजी की ओर कार चालक को भगा दिया। इसके बाद वे गाड़ी सहित शव को सीएचसी बिनौली लेकर पहुचे सूचना पर इंस्पेक्टर सहित भारी पुलिस बल भी सीएचसी पहुंचा। जहां पर मृतका के परिजनों ने उक्त सिपाही के खिलाफ कानूनी कारवाई व कार चालक की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा किया। मृतका का पुत्र विवेक धामा सहारनपुर में यूपी पुलिस में पीआरवी गाड़ी पर तैनात है। पुत्र अजित धामा, सुजीत धामा सहित परिवार के लोगो का रोते–रोते बुरा हाल था।

शिवालिक पहाड़ियों पर भारी बारिश, शाकंभरी नदी में आया उफान

सहारनपुर, संवाददाता। शिवालिक पहाड़ियों पर भारी बारिश के बाद शाकंभरी देवी नदी में अचानक तेज बहाव आ गया। नदी पार कर माता के दर्शनों के लिए मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं ने पानी का बहाव देख सुरक्षित स्थान की तरफ जाकर जान बचाई। पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा की दृष्टि से श्रद्धालुओं को भूरादेव मंदिर पर ही रोक दिया। जो श्रद्धालु माता के मंदिर पर पहुंच गए थे उन्हें पानी कम होने तक सिद्धपीठ में ही सुरक्षित स्थान पर रुके रहने के लिए कहा गया है। दरअसल, मंगलवार सुबह ही पहाड़ियों पर बारिश शुरू हो गई थी। दोपहर के समय बारिश तेज हो गई। करीब दो बजे नदी में अचानक तेज बहाव आ गया। उस समय नदी से होकर सिद्धपीठ मां के मंदिर जा रहे श्रद्धालु पानी को देख दौड़ पड़े। उन्होंने नदी किनारे पहुंचकर सांस ली। सिद्धपीठ में नदी में पानी आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस–प्रशासन अलर्ट हो गया। सिद्धपीठ स्थित पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि जो श्रद्धालु सिद्धपीठ में मौजूद हैं, उन्हें पानी कम होने तक वहीं पर रोका जाए। कुछ श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए सिद्धपीठ जाने की जिद पर अड़े थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।